PUBLICATION NAME :	Rajasthan Patrika
EDITION :	Ahmedabad
DATE :	14/05/2022
PAGE :	2

हुनर के साथ बाजार का रुख | तकनीक से तालमेल जरूरी

बाजार से कम जुड़ाव के चलते 88% कलाकारों को करना पड़ता है संघर्ष

ईडीआईआई से प्रशिक्षित 7605 कलाकारों ने की 4.98 करोड़ की कमाई

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. अपने हुनर के दम पर राज्य व राष्ट्रीय स्तर के कई अवार्ड जीत चुके कलाकारों को अपनी कलाकृतियों, उत्पादों को बेचने के लिए मशक्कत करनी पड़ती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे अपनी कला में तो निपुण हैं, लेकिन बाजार से उनका जुड़ाव, पर्याप्त जानकारी और आधुनिक तकनीक, सोशल मीडिया से उनकी दूरी रहती है।

यह तथ्य ईडीआईआई की ओर से बीते दो सालों में अवार्ड विजेता कलाकारों के संदर्भ में किए गए प्रयोग और अनुभव में सामने आए हैं। जिसके तहत 88 फीसदी कलाकारों को इन कमियों की वजह से अपने उत्पाद को बाजार में बेचने के लिए और खुद बाजार में टिके रहने के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

इस कमी को दूर करने के लिए गुजरात सरकार के कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग आयुक्त कार्यालय, इंडस्ट्रियल एक्टेंशन कॉटेज (इंडेक्स्ट-सी) ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) के साथ मिलकर कलाकारों को प्रशिक्षित करने के लिए 'हस्तकला सेतु' कार्यक्रम की शुरुआत की है। हाल ही में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया जिसमें 38 अवार्ड विजेता कलाकारों सहित कुरल 130 कलाकार शामिल हुए।

2020 से लेकर अब तक दो सालों में ईडीआईआई ने हस्तकला सेतु के तहत 19361 कलाकारों को प्रशिक्षित किया है, जिसमें से 7605 कलाकारों ने 4.98 करोड़ तक की कमाई की है।

ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ.सुनील शुक्ला के अनुसार प्रशिक्षण के दौरान कलाकारों को उनके उत्पाद की नई डिजाइन तैयार करने, नेटवर्किंग बढ़ाने के नए विकल्प उपलब्ध कराने, नए बाजारों तक पहुंच बनाने और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर पंजीकरण कराकर सोशल मीडिया के उपयोग के माध्यम से व्यवसाय को गति देने के गुर सिखाए गए। क्योंकि ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया व्यवसाय को पूरी तरह से परिवर्तित करने की क्षमता रखते हैं। दुनियाभर का व्यावसायिक कामकाज बदला है। जिससे ग्रामीण क्षेत्र के उद्यमियों को भी तकनीक को अपनाना होगा।

ताकि बाजार के अनुरूप बना सकें अपने उत्पाद :पंचाल

गुजरात के कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग मंत्री जगदीश पंचाल ने प्रशिक्षण शिविर में कलाकारों से चाय पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य कलाकारों को बाजार के अनुरूप उत्पाद बनाने में सक्षम करना है, ताकि वे भी अपने हुनर के बूते अपनी ब्रांड स्थापित कर सकें। अच्छी कमाई कर सकें।